

# पद चालीस का गुप्त इतिहास — संख्या आठ

पर्वत

Jeff Pippenger

2026-04-05

पतरस के लिए रूपान्तरण का पर्वत पानियम और क्रूस के बीच घटित हुआ, और दूसरी रेखा पर, पतरस मसीह की सेवकाई के आरम्भ में उसके बपतिस्मे और उसकी सेवकाई के अंत में विजयी प्रवेश के ठीक पश्चात् के बीच स्थित है। बपतिस्मा, पर्वत, और विजयी प्रवेश के निष्कर्ष—ये तीन मार्गचिह्न उन तीन अवसरों द्वारा चिह्नित हैं जब स्वर्गीय पिता ने वचन कहा। यूहन्ना 12 में तीसरा अवसर वह है जब यूनानी यीशु को खोज रहे थे। बपतिस्मा 9/11 है, पर्वत पानियम के इतिहास में है जो पद सोलह के रविवार व्यवस्था तक पहुँचता है। पतरस के लिए यह पानियम था, फिर पर्वत, और उसके बाद विजयी प्रवेश के निष्कर्ष तक, जो उस समय से ठीक पहले था जब मसीह दूसरी बार महिमामन्वित होने वाला था।

अब मेरा प्राण व्याकुल है; और मैं क्या कहूँ? हे पिता, मुझे इस घड़ी से बचा: परन्तु मैं इसी कारण इस घड़ी तक पहुँचा हूँ। हे पिता, अपने नाम की महिमा कर। तब स्वर्ग से यह वाणी आई, मैंने उसकी महिमा की है, और फिर भी करूँगा। तब जो लोग वहाँ खड़े थे और उसे सुन रहे थे, उन्होंने कहा कि बादल गरजा; दूसरों ने कहा, किसी स्वर्गदूत ने उससे बात की। यीशु ने उत्तर देकर कहा, यह वाणी मेरे लिये नहीं आई, परन्तु तुम्हारे लिये। अब इस संसार का न्याय होता है; अब इस संसार का हाकिम निकाल दिया जाएगा। और मैं, यदि पृथ्वी से ऊपर उठाया जाऊँ, तो सब मनुष्यों को अपने पास खींचूँगा। उसने यह कहकर संकेत दिया कि वह कैसी मृत्यु मरेगा। यूहन्ना 12:27-33।

लैव्यव्यवस्था तेईस और पिन्तेकुस्ती ऋतु द्वारा रूपांकित की गई रेखा में आरम्भ का एक मार्गचिह्न है, जिसमें तीन चरण हैं और उनके पश्चात् पाँच दिन हैं; और अंत में भी एक मार्गचिह्न है, जिसकी विशेषताएँ बिल्कुल वही हैं। उन मार्गचिह्नों के बीच तीस दिन याजकों की अवधि का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो तुरहियों के पर्व पर समाप्त होती है। तुरहियों का पर्व, मसीह का अपने पुनरुत्थान के पश्चात् चालीस दिन तक अपने चेलों को आमने-सामने शिक्षा देने के बाद स्वर्गारोहण, और प्रायश्चित्त का दिन—ये लैव्यव्यवस्था तेईस की रेखा के अंत के तीन चरणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन तीन चरणों के पश्चात् पिन्तेकुस्त और डेरों के पर्व—दोनों तक पाँच दिन हैं। तीसरी बार स्वर्गीय पिता ने तभी वचन कहा जब यूनानी, जो संडे लॉ के समय बाबुल से बुलाए गए लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, यीशु से भेंट करने की इच्छा कर रहे थे। संडे लॉ से ठीक पहले यीशु क्रूस पर ध्वज के उठाए जाने की पहचान कराते हैं। 9/11 पर पृथ्वी उसकी महिमा से आलोकित हुई थी और संडे लॉ पर वह फिर आलोकित होती है।

कैसरिया फिलिप्पी, जो पानियम है, तीसरा घंटा है, और कैसरिया मारीतिमा क्रूस का नौवाँ घंटा है, जब बाबेल से बाहर निकल आने का बुलावा दिया जाता है। क्रूस से पहले, पानियम के भविष्यवाणीगत इतिहास में, पतरस पर्वत पर है, परन्तु अब भी विजयपूर्ण प्रवेश के समापन से पहले। पानियम पद सोलह के क्रूस तक बना रहता है। पानियम में पतरस लैव्यव्यवस्था तेईस के तुरहियों के पर्व, आरोहण, और प्रायश्चित्त के तीन-चरणीय इतिहास से ठीक पहले है। पतरस याजक की विशेष शिक्षा के तीस दिनों में है।

सिमोन पानियुम में पतरस बनता है, और विजयोत्सवी प्रवेश से पहले पर्वत पर उसका एक चरण है। विजयोत्सवी प्रवेश दस कुँवारियों के दृष्टान्त को प्रतिपादित करता है। केवल पाँच विवाह में प्रवेश करती हैं, और त्रिगुणित मार्गचिह्न तथा पिन्तेकुस्त के बीच के पाँच दिन विजयोत्सवी प्रवेश का आरम्भ हैं। इसका आरम्भ तुरहियों के पर्व से होता है, परन्तु वह मार्गचिह्न तीन मार्गचिह्नों के संयोजन से बना है। एक एकल मार्गचिह्न के रूप में वे तुरहियों के पर्व के साथ नैशविल पर आक्रमण की पहचान करते हैं। मध्यरात्रि की पुकार का सन्देश अभी-अभी पुष्टि किया जा चुका होगा, और पाँच बुद्धिमान कुँवारियों का जुलूस उस प्रक्रिया का आरम्भ करता है जो क्रूस की मृत्यु, गाड़े जाने और पुनरुत्थान

तक ले जाती है, जो रविवार व्यवस्था है।

पतरस पानियम में है जब वह नैशविल के अग्नि-गोलों की भविष्यवाणी को ठीक करता है, और भविष्यवाणी की पूर्ति पर तुरहियों के पर्व के फूँके जाने से पहले। भविष्यदर्शी अनिवार्यता के अनुसार उसे पहले पर्वत पर जाना ही होगा, क्योंकि विजयी प्रवेश से पहले पर्वत था। अब्राहम के पर्वत पर जाने से पहले उसका नाम बदल दिया गया था, और पतरस का नाम पानियम में बदल दिया गया, उससे पहले कि वह पर्वत पर जाए। नैशविल के अग्नि-गोलों की भविष्यवाणी की पूर्ति से पहले पर्वत पतरस की परीक्षा है। यह पूर्ति तीसरी और कसौटी-सिद्ध करने वाली परीक्षा है, जहाँ चरित्र या तो आनंद के रूप में प्रकट होता है या लज्जा के रूप में।

457 ईसा-पूर्व की रेखा राफिया और पानियम के बीच समाप्त होती है; उत्पत्ति अध्याय सत्रह की वाचा राफिया के साथ संरेखित होती है, और मत्ती अध्याय सोलह की वाचा पानियम के साथ संरेखित होती है। पानियम से पतरस पर्वत पर जाता है, जैसे अब्राहम इसहाक के बलिदान के लिए गया था। पतरस की रेखा का पर्वत अब्राहम के समय के पर्वत के साथ संरेखित होता है।

अब्राहम का मार्गचिह्न तीन दिनों का था। विजयोत्सवी प्रवेश के समय, मसीह को ले चलने के लिए एक गदही लाने हेतु दो चेलों को भेजा गया था; और अब्राहम की रेखा में, उसकी तीन-दिवसीय यात्रा इसहाक की बलि के लिए लकड़ी उठाने वाली एक गदही और दो दासों के चयन से आरम्भ होती है। पर्वत तक पतरस की आठ-दिवसीय यात्रा छह-दिवसीय यात्रा, अब्राहम के लिए तीन दिनों की थी। पानियम में पतरस पर्वत से पहले है, और गदही को खोलकर यरूशलेम में प्रवेश आरम्भ होने से भी पहले है—वही स्थान जहाँ अब्राहम के तीन दिन आरम्भ हुए। विजयोत्सवी प्रवेश में मसीह जैतून के पर्वत पर ठहर गया और यरूशलेम के लिए रोया; इस प्रकार परमेश्वर और प्राचीन शाब्दिक इस्राएल के बीच वाचा-संबंध के निष्कर्ष को चिह्नित किया। पतरस का पर्वत विजयोत्सवी प्रवेश से पहले है; मसीह का पर्वत विजयोत्सवी प्रवेश के दौरान है; और अब्राहम का पर्वत प्रवेश के निष्कर्ष पर है।

2026 मध्यावधि चुनावों का वर्ष है, जब बाइबिलीय भविष्यवाणी के छठे राज्य का दो सौ पचासवाँ वर्ष अपने महिमामय शासन का उत्सव मनाता है। भविष्यदर्शी मध्यबिंदु के रूप में वह उत्सव 207 ईसा-पूर्व में अन्तियुखुस महान के साथ मेल खाता है, जो राफिया और पानियम के बीच का मध्यबिंदु है और 457 ईसा-पूर्व से आरम्भ होने वाले उन दो सौ पचास वर्षों के अंत को चिह्नित करता है।

अब तक जो चार रेखाएँ अध्याय ग्यारह से लेकर अध्याय बाईस तक सम्मिलित करती हुई अनमुद्रित की गई हैं, उन पर विचार करते हुए (संभव है कि अन्य उदाहरण भी हों), अब हम द डिज़ायर ऑफ एजेज़ में उन अध्यायों को ग्रहण करते हैं। अध्याय ग्यारह है “बपतिस्मा,” और अध्याय बाईस है “यूहन्ना का कारावास और मृत्यु।” यूहन्ना आरम्भ में भी है और अन्त में भी, और अध्याय सत्रह, जो मध्य का अध्याय है, “नीकुदेमुस” है।

“नीकुदेमुस प्रभु के पास यह सोचकर आया था कि वह उनके साथ किसी चर्चा में प्रवेश करेगा, परन्तु यीशु ने सत्य के आधारभूत सिद्धांतों को उद्घाटित कर दिया। उन्होंने नीकुदेमुस से कहा, तुम्हें सैद्धान्तिक ज्ञान की उतनी आवश्यकता नहीं है जितनी आत्मिक पुनर्जनन की। तुम्हें अपनी जिज्ञासा की तुष्टि नहीं, वरन् एक नया हृदय प्राप्त करने की आवश्यकता है। स्वर्गीय बातों का मूल्य समझने से पहले तुम्हें ऊपर से एक नया जीवन ग्रहण करना होगा। जब तक यह परिवर्तन घटित नहीं होता, जो सब बातों को नया बना देता है, तब तक मेरे अधिकार या मेरे मिशन के विषय में मेरे साथ चर्चा करना तुम्हारे लिए उद्धारकारी भलाई का कोई परिणाम उत्पन्न न करेगा।”

“नीकुदेमुस ने यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का वह प्रचार सुना था जो मन-फिराव और बपतिस्मा के विषय में था, और जिसमें लोगों को उस एक की ओर संकेत किया जाता था जो पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा। उसने स्वयं अनुभव किया था कि यहूदियों के बीच आत्मिकता का अभाव है, और यह कि बहुत बड़ी सीमा तक वे संकीर्ण धर्मांधता और सांसारिक महत्त्वाकांक्षा के वश में थे। उसने आशा की थी कि मसीह के आगमन पर परिस्थितियों की अवस्था इससे उत्तम होगी। तौभी बपतिस्मा देनेवाले का वह हृदय-परख संदेश उसमें पाप के विषय में कोई दृढ़ दोषबोध उत्पन्न न कर सका। वह एक कठोर फरीसी था, और अपने सत्कर्मों पर गर्व करता था। मंदिर की

सेवा के पालन-पोषण में अपनी उदारता और दानशीलता के कारण वह व्यापक रूप से आदर की दृष्टि से देखा जाता था, और वह अपने को परमेश्वर की कृपा के विषय में निश्चित समझता था। इस विचार से वह चकित रह गया कि एक ऐसा राज्य भी है जो इतना पवित्र है कि वह अपनी वर्तमान अवस्था में उसे देख नहीं सकता।” *The Desire of Ages*, 171.

युगों की अभिलाषा का मध्यबिंदु निकुदेमुस की पंक्ति में पाया जाता है, जो एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी की पंक्ति में एडवेंटिज़्म के लिए अंतिम बुलाहट का प्रतिनिधित्व करता है। वह उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है जिसने मसीह के अग्रदूत का संदेश सुना, परन्तु जो अपनी लौदीकिया-सम्बन्धी अवस्था से अनभिज्ञ था।

“निकुदेमुस के साथ वार्तालाप में, यीशु ने उद्धार की योजना और संसार के प्रति अपने मिशन को प्रकट किया। अपनी बाद की किसी भी शिक्षा में उन्होंने उतनी पूर्णता से, क्रमशः, उस कार्य का वर्णन नहीं किया जो उन सबके हृदयों में किया जाना आवश्यक था जो स्वर्ग के राज्य के वारिस होंगे। अपनी सेवकाई के आरंभ ही में उन्होंने महासभा के एक सदस्य, उस मन के समक्ष जो सबसे अधिक ग्रहणशील था, और लोगों के लिए नियुक्त एक शिक्षक के समक्ष सत्य को उद्घाटित किया। परन्तु इस्राएल के अगुवों ने उस ज्योति का स्वागत नहीं किया। निकुदेमुस ने उस सत्य को अपने हृदय में छिपा रखा, और तीन वर्षों तक उसका कोई विशेष प्रत्यक्ष फल दिखाई नहीं दिया।” *The Desire of Ages*, 176.

यूहन्ना का संदेश और मसीह का उसके द्वारा बपतिस्मा, परमेश्वर का भय मानने वाले प्रथम स्वर्गदूत के संदेश का प्रतिनिधित्व करते थे। यूहन्ना का संदेश विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराए जाने का लौदीकिया का संदेश था, और वह संदेश मसीह के बपतिस्मे के समय सामर्थ्ययुक्त किया गया; ठीक उसी प्रकार जैसे जोन्स और वैगनर का संदेश 1888 में लौदीकिया के लिए संदेश था। मसीह का बपतिस्मा और 1888, 9/11 पर लौदीकिया के लिए संदेश के आगमन के प्रतिरूप थे, जिसका अंत राफिया और पानियम के मध्यबिंदु पर होता है।

निकुदेमुस का अर्थ है “लोगों की विजय,” और विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराया जाना वह मुद्रांकन-संदेश है जो यूहन्ना के संदेश के साथ आया, बपतिस्मे में सामर्थ्य प्रदान किया गया, और मसीह के साथ निकुदेमुस की मध्यरात्रि की भेंट द्वारा परिभाषित हुआ। अध्याय बाईस यूहन्ना की मृत्यु का वर्णन करता है, जिसके परिणामस्वरूप उसके चेलों ने उस ध्वज की पहचान की जो ऊँचा उठाया जाएगा और सब मनुष्यों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। बपतिस्मा दोनों ही 9/11 और 18 जुलाई, 2020 से 31 दिसंबर, 2023 तक था, क्योंकि बपतिस्मा मृत्यु (2020), दफ़नाया जाना (साढ़े तीन दिन) और पुनरुत्थान (31 दिसंबर, 2023) को चित्रित करता है। फिर मध्यरात्रि की वह भेंट आती है, जहाँ लोगों की विजय को नए जन्म लेने के रूप में चित्रित किया गया है—लाओदीकिया के अंधेपन से फिलाडेल्फिया वाले की 20/20 दृष्टि तक। तब मसीह के कार्य उस ध्वज को ऊँचा उठाए जाने के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

इब्राहीम के लिए यूहन्ना की रेखा में मसीह के कार्य इसहाक के बलिदान के साथ मेल खाते हैं। पतरस के लिए यह रेखा समुद्र के किनारे कैसरिया, कैसरिया मारीतीमा, नौवें घंटे पर समाप्त होती है, जहाँ क्रूस सब मनुष्यों को विश्वास द्वारा धर्मी ठहराए जाने की विजय के लिए बुलाता है, जो तीसरे स्वर्गदूत का संदेश है। तीसरे स्वर्गदूत का संदेश इस्लाम के तीसरे हाय का संदेश है, जो 9/11 पर इस्लाम की गदही के साथ बिलाम की पहली भेंट में पहुँचा, फिर 7 अक्टूबर 2023 को वास्तविक मनोहर देश के विरुद्ध प्रहारों का दुगुना होना, और फिर नैशविल पर दूसरा प्रहार, जबकि बिलाम इस्लाम की गदही को प्राचीन वास्तविक और आधुनिक आत्मिक मनोहर देश की दाखबाड़ियों के बीच से ले चलता है। तीसरा प्रहार शीघ्र आने वाली रविवार की व्यवस्था का भूकम्प है। वहीं इसहाक अर्पित किया जाता है, वहीं यूहन्ना के चले, जो उस बड़ी भीड़ का प्रतीक हैं जिन्हें शहादत के श्वेत वस्त्र दिए गए हैं, ने ध्वजा के कार्यों को सुना और देखा। उत्पत्ति, मत्ती और द डिज़ायर ऑफ एजेस के मध्यबिंदु एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी और अन्यजातियों के बुलाए जाने की पहचान करते हैं।

मसीह ने निकुदेमुस को जो व्याख्या दी, वह वायु के कार्य के विषय में थी, यद्यपि उसका कार्य अदृश्य है।

“निकुदेमुस अभी भी चकित था, और यीशु ने अपने अभिप्राय को स्पष्ट करने के लिए वायु का उदाहरण दिया: ‘वायु जहाँ चाहती है वहाँ बहती है, और तू उसका शब्द सुनता है, परंतु यह नहीं जान सकता कि वह कहाँ से आती है और कहाँ को जाती है; आत्मा से जन्मा हुआ हर एक जन ऐसा ही है।’”

“वृक्षों की डालियों के बीच वायु की ध्वनि सुनाई देती है, जो पत्तों और फूलों को सरसराती हुई चलती है; तौभी वह अदृश्य है, और कोई मनुष्य नहीं जानता कि वह कहाँ से आती है और कहाँ को जाती है। हृदय पर पवित्र आत्मा के कार्य के विषय में भी यही सत्य है। उसे वायु की गति के समान ही समझाया नहीं जा सकता। कोई व्यक्ति संभवतः ठीक-ठीक उस समय या स्थान को न बता सके, न परिवर्तन की प्रक्रिया में घटित हुई समस्त परिस्थितियों का पता लगा सके; परंतु इससे यह सिद्ध नहीं होता कि वह अपरिवर्तित है। वायु के समान ही अदृश्य एक सामर्थ्य के द्वारा मसीह निरंतर हृदय पर कार्य करता रहता है। थोड़ा-थोड़ा करके, संभव है कि ग्रहण करनेवाले को बिना जाने ही, ऐसे प्रभाव डाले जाते हैं जो आत्मा को मसीह की ओर खींचने की प्रवृत्ति रखते हैं। ये प्रभाव उस पर मनन करने के द्वारा, पवित्रशास्त्र के अध्ययन के द्वारा, अथवा जीवित प्रचारक से वचन सुनने के द्वारा ग्रहण किए जा सकते हैं। अचानक, जब आत्मा अधिक प्रत्यक्ष निवेदन के साथ आती है, तब वह आत्मा आनंदपूर्वक अपने आप को यीशु के प्रति समर्पित कर देती है। बहुत-से लोग इसे आकस्मिक परिवर्तन कहते हैं; परंतु यह परमेश्वर के आत्मा की दीर्घकालीन अनुनय का परिणाम होता है,—एक धैर्यपूर्ण, दीर्घविस्तृत प्रक्रिया।”

“यद्यपि वायु स्वयं अदृश्य है, तौभी वह ऐसे प्रभाव उत्पन्न करती है जो देखे और अनुभव किए जाते हैं। उसी प्रकार आत्मा का कार्य, जो प्राण पर होता है, उस प्रत्येक कर्म में प्रकट होगा जिसने उसकी उद्धारकारी सामर्थ्य का अनुभव किया है। जब परमेश्वर का आत्मा हृदय पर अधिकार कर लेता है, तब वह जीवन को रूपांतरित कर देता है। पापपूर्ण विचार दूर कर दिए जाते हैं, दुष्कर्मों का त्याग कर दिया जाता है; क्रोध, डाह और कलह के स्थान पर प्रेम, दीनता और शांति आ जाते हैं। उदासी के स्थान पर आनन्द आ जाता है, और मुखमण्डल स्वर्ग के प्रकाश को प्रतिबिंबित करता है। कोई उस हाथ को नहीं देखता जो बोझ उठा लेता है, और न उस प्रकाश को देखता है जो ऊपर के दरबारों से उतरता है। आशीष तब आती है जब प्राण विश्वास के द्वारा अपने आप को परमेश्वर के समर्पित कर देता है। तब वह सामर्थ्य, जिसे कोई मानवीय नेत्र नहीं देख सकता, परमेश्वर के स्वरूप में एक नए प्राणी की सृष्टि करती है।” — The Desire of Ages, 172, 173.

9/11 पर पिछली वर्षा की फुहार पड़नी आरम्भ हुई। 9/11 पर इस्लाम, जो बाइबल की भविष्यवाणी में “पूरब की वायु” के रूप में प्रस्तुत किया गया है, उस समय प्रकट हुआ जब एक लाख चवालीस हज़ारों पर मुहर लगाए जाने का कार्य आरम्भ हुआ। पिछली वर्षा, जो एक ऐसा संदेश है जिसका निरूपण “स्वर्णिम तेल” के रूप में किया गया है, जो जकर्याह की दो स्वर्णिम नलिकाओं से नीचे उतरता है, ने लाओदीकिया के सेवेंथ-डे एडवेंटिस्टों को मन फिराव के लिए बुलाने का कार्य आरम्भ किया। पवित्र आत्मा की वायु ने उन सब बातों को सिखाने के अपने कार्य का आरम्भ किया जो लिखी हुई हैं, और अन्धे लाओदीकियाइयों के हृदयों से बोलने के लिए यिर्मयाह के प्राचीन मार्गों के संदेश का उपयोग किया। पवित्र आत्मा का वह कार्य, जिसका निकुदेमुस को दिया गया निरूपण और अधिक पूर्ण रूप से समझाया गया है, अर्थात् वह “कदम-दर-कदम” किया जाने वाला “कार्य जो उन सब के हृदयों में किया जाना आवश्यक है जो स्वर्ग के राज्य के अधिकारी होंगे।” इस प्रक्रिया की तुलना मसीह ने वायु के कार्य से की, और यह प्रक्रिया “पूरब की वायु” की अवधि के दौरान घटित होती है, जो 9/11 पर पहुँची। यशायाह इसी अवधि को प्रचण्ड वायु के संदर्भ में संबोधित करता है।

जब वह बढ़ता है, तो तू उसे परिमाण में ताड़ना देगा; पूर्वी वायु के दिन वह अपनी प्रचण्ड वायु को रोक लेता है। इस कारण याकूब का अधर्म शुद्ध किया जाएगा; और उसके पाप को दूर करने का सारा फल यही होगा: जब वह वेदी के सब पत्थरों को पीटे हुए खड़िया-पत्थरों के समान कर देगा, तब अशेरा-स्तंभ और मूर्तियाँ खड़ी न रह सकेंगी। यशायाह 27:8, 9.

अन्तिम दिनों में सब भविष्यद्वक्ता एक-दूसरे के साथ सामंजस्य में हैं, और यशायाह की “प्रचण्ड वायु” वही है जो यूहन्ना की कलह की वायु हैं, जिन्हें एक लाख चवालीस हजार पर मुहर किए जाने के समय रोका हुआ रखा जाता है।

यशायाह की प्रचण्ड वायु वही पूर्वी वायु है जो यशायाह की साक्ष्य में “रुकी हुई” है, और यूहन्ना की साक्ष्य में भी रोकी हुई रखी जाती है। यूहन्ना की कलह की वायु तब तक रोकी जाती है जब तक परमेश्वर की प्रजा पर मुहर न कर दी जाए, और यशायाह की पूर्वी वायु उस काल के रूप में पहचानी जाती है जब “याकूब का अधर्म” “दूर किया” जाता है। इब्रानी शब्द जिसका अनुवाद “दूर किया” गया है, उसका अर्थ है प्रायश्चित्त किया जाना। यूहन्ना में की गई मुहरबन्दी यही है जो यहजेकल अध्याय 9 में है, और यही याकूब के अधर्म को दूर किए जाने के समान है। वह स्वर्गदूत जो यरूशलेम में होकर उन लोगों पर चिन्ह लगाता है जो आहें भरते और विलाप करते हैं, वही स्वर्गदूत है जो “पूरब” से ऊपर आता है।

और इन बातों के बाद मैं ने पृथ्वी के चारों कोनों पर चार स्वर्गदूतों को खड़े देखा, जो पृथ्वी की चारों पवनों को थामे हुए थे, ताकि न पृथ्वी पर, न समुद्र पर, और न किसी वृक्ष पर पवन बहे। फिर मैं ने एक और स्वर्गदूत को पूर्व से ऊपर आते देखा, जिसके पास जीवते परमेश्वर की मुहर थी; और उसने उन चार स्वर्गदूतों से, जिन्हें पृथ्वी और समुद्र की हानि करने का अधिकार दिया गया था, बड़े शब्द से पुकारकर कहा, जब तक हम अपने परमेश्वर के दासों के माथों पर मुहर न कर दें, तब तक न पृथ्वी की, न समुद्र की, और न वृक्षों की हानि करना।  
प्रकाशितवाक्य 7:1-3.

स्वर्गदूत मसीह है, और वह पिन्तेकुस्त के समय में शिष्यों को आमने-सामने शिक्षा देने के चालीस दिनों के अंत में ऊपर उठा; और वह लैव्यव्यवस्था तेईस में वर्णित तुरहियों के पर्व पर, उन याजकों के साथ आमने-सामने शिक्षा देने के तीस दिनों के अंत में ऊपर उठता है, जिनका प्रतिनिधित्व संख्या तीस द्वारा किया गया है।

2026 मध्यावधि चुनावों का वर्ष है, और ये चुनाव पहले ही भविष्यवाणी-संबंधी मार्गचिह्नों के रूप में पुष्टि किए जा चुके हैं। यदि डेमोक्रेटों ने 2020 का चुनाव न चुराया होता, तो ट्रम्प रोम की पहली को पूरा न करता। रोम की वह पहली यह है कि वह आठवाँ है, और सात में से है। वह पहली ट्रम्प को पशु की मूरत के प्रतिनिधि के रूप में पहचानती है, जो सदा आठवें के रूप में ऊपर आता है, तौभी सात में से होता है। दानिय्येल सात में, छोटे सींग के ऊपर उठने के लिए मूर्तिपूजक रोम के दस सींगों में से तीन को हटाया जाना आवश्यक था। वहाँ पोपीय रोम अन्य सात सींगों के बीच आठवें के रूप में ऊपर आया, तौभी वह मूर्तिपूजक रोम में से निकला, क्योंकि उसे सात में से होना था। दानिय्येल आठ में मादी-फारसी साम्राज्य का प्रतिनिधित्व दो सींगों द्वारा किया गया, फिर यूनान एक ही सींग था, जो टूट जाने पर चार सींग उत्पन्न हुए; इस प्रकार रोम के आने से पहले सात सींग हो चुके हैं, और रोम का छोटा सींग आठवाँ है। इस तथ्य के अन्य भी साक्षी हैं कि रोम सदा आठवें के रूप में ऊपर आता है और सात में से है, परन्तु इस पहली का मुख्य संदर्भ बिंदु प्रकाशितवाक्य अध्याय सत्रह है।

और यहाँ वह बुद्धि है जिसमें समझ है। वे सात सिर सात पर्वत हैं, जिन पर वह स्त्री बैठी है। और वे सात राजा हैं: पाँच गिर चुके हैं, और एक है, और दूसरा अभी तक नहीं आया; और जब वह आएगा, तो उसे थोड़े ही समय तक ठहरना होगा। और वह पशु, जो था और नहीं है, वही आठवाँ भी है, और उन सात में से है, और विनाश में जाता है। प्रकाशितवाक्य 17:9-11।

2020 का चुराया गया चुनाव एक चुनाव को एक भविष्यवाणीगत मार्गचिह्न के रूप में पहचानता है। इस तथ्य का दूसरा साक्षी राष्ट्रपति कार्टर के साथ है। रीगन उन राष्ट्रपतियों में पहला था जो ट्रम्प तक पहुँचने वाली उस श्रेणी का भाग हैं, जिसमें ट्रम्प वह आठवाँ है जो उन सात में से है, क्योंकि वह रोम की एक प्रतिमा बनाता है। 1989 में अंत के समय से लेकर आठ राष्ट्रपतियों की पंक्ति में रीगन पहला था। 1989 दानिय्येल ग्यारह, पद 1 से 4 में पूरा हुआ था, और वह सबसे धनी राष्ट्रपति की गवाही को प्रस्तुत करता है। रीगन से पहले उस समय तक के इतिहास का सबसे बुरा राष्ट्रपति था। कार्टर ने इस्लाम के एक संकट को अनसुलझा छोड़ते हुए पद छोड़ा। सैंतालीस वर्ष बाद, ट्रम्प वर्तमान में उस समस्या का समाधान कर रहा है जिसे डेमोक्रेट कार्टर ने रीगन के लिए छोड़ दिया था। क्योंकि प्रथम और अल्फा रीगन एक रिपब्लिकन था, जो अंत के समय के और ओमेगा के एक रिपब्लिकन का पूर्वरूप था, इसलिए ट्रम्प को भी पूर्ववर्ती डेमोक्रेट राष्ट्रपति द्वारा उत्पन्न इस्लाम के एक संकट को विरासत में लेना आवश्यक था, जो भविष्यवाणी की आवश्यकता के अनुसार उस समय तक के इतिहास का सबसे बुरा राष्ट्रपति होना था। ओबामा ने, निःसंदेह, उन सभी

भविष्यद्वाणीगत विशेषताओं को पूरा किया, और बैडेन ने भी। रीगन के लिए अंतिम का पूर्वरूप होने हेतु, उसे केवल आठवें का ही नहीं, बल्कि छठे का भी पूर्वरूप होना था। ऐसा करते हुए, यहूदा के गोत्र के सिंह को चुनावों को नियंत्रित करना था ताकि उन असफल राष्ट्रपतियों की क्रमिकता सुनिश्चित की जा सके, जो दोनों ही उदाहरणों में ट्रम्प से पहले आए। चुनाव एक भविष्यद्वाणीगत मार्गचिह्न हैं, और 2026 उस राष्ट्रपति के लिए मध्यावधि चुनावों का वर्ष है जो उन सात में से आठवाँ है।

संयुक्त राज्य अमेरिका की दो सौ पचास वर्षीय रेखा 1776 में आरम्भ होती है और 2026 में परिपूर्ण होती है। 457 ईसा-पूर्व की दो सौ पचास वर्षीय रेखा 207 ईसा-पूर्व में, पद ग्यारह और पन्द्रह के बीच, राफ़िया और पैनियम के युद्धों के मध्य, परिपूर्ण हुई। राफ़िया भविष्यवाणी के अनुसार उत्पत्ति सत्रह की खतना की वाचा के साथ संरेखित है, और पैनियम भविष्यवाणी के अनुसार मत्ती सोलह की एक लाख चवालीस हजार की वाचा के साथ संरेखित है। 2026, 207 ईसा-पूर्व के साथ—पद ग्यारह और पन्द्रह के बीच—राफ़िया और पैनियम के बीच संरेखित है, जो परमेश्वर की किसी चुनी हुई प्रजा के साथ की गई पहली वाचा और परमेश्वर की किसी चुनी हुई प्रजा के साथ की गई अंतिम वाचा के बीच भी है।

२०७ ई.पू. के मध्यबिंदु और 2026 पर समाप्त होने वाली दो-सौ-पचास वर्षीय रेखाएँ, उस उत्पीड़न की दो-सौ-पचास वर्षीय रेखा के साथ संरेखित होती हैं जो सन् 64 में रोम नगर के जलाए जाने पर आरम्भ हुई थी। वहीं से, एक विचित्र मनुष्य के द्वारा आने वाले विनाश की सात वर्षों की चेतावनी यरूशलेम के निवासियों को सुनाई गई। जब सन् 70 आया और यरूशलेम नष्ट कर दिया गया, तब परमेश्वर की कलीसिया तितर-बितर हो गई और उन्होंने समस्त संसार में सुसमाचार का प्रसार किया। उसी समय जब इफिसुस की कलीसिया पुनरुत्थान के पिन्तेकुस्ती संदेश की घोषणा कर रही थी, स्मुर्ना की कलीसिया द्वारा निरूपित उत्पीड़न आरम्भ हुआ, क्योंकि भविष्यवाणी की आवश्यकता के अनुसार वे दोनों कलीसियाएँ कुछ समय तक समानांतर चलने वाली थीं। पौलुस इफिसुस की भविष्यसूचक कलीसिया का एक अगुवा था, तौभी उसने दोनों इतिहासों के विषय में लिखा।

अन्ताकिया, इकुनियुम और लुस्त्रा में मुझ पर जो-जो सताव और क्लेश आए, वे तुम्हें विदित हैं; मैंने कैसे-कैसे सताव सहे; तौभी प्रभु ने उन सब में से मुझे छुड़ा लिया। और जो कोई मसीह यीशु में भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहता है, वह सताया जाएगा। 2 तीमुथियुस 3:11, 12.

ए. टी. जोन्स उस दो सौ पचास वर्षीय अवधि की पहचान करते हैं, जो सन् 64 में आरम्भ होती है और सन् 313 में मिलान की आज्ञाप्ति पर समाप्त होती है। उन वर्षों के दौरान परमेश्वर की प्रजा के विरुद्ध उत्पीड़न मूर्तिपूजक रोम द्वारा चलाया जाता रहा, परन्तु स्मुर्ना की कलीसिया के लिए संदेश में दस दिनों का उल्लेख किया गया, जो उस अवधि के अत्यन्त भीषण उत्पीड़न का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उन बातों में से किसी से मत डर, जिन्हें तुझे सहना पड़ेगा; देख, शैतान तुम में से कितनों को बन्दीगृह में डलवाएगा, ताकि तुम्हारी परीक्षा हो; और तुम्हें दस दिन क्लेश उठाना पड़ेगा; मृत्यु तक विश्वासयोग्य बना रह, और मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा। प्रकाशितवाक्य 2:10।

सम्राट डायोक्लेटियन द्वारा निरूपित उत्पीड़न का वह काल दस वर्षों का था, जो 303 में आरम्भ हुआ और 313 में समाप्त हुआ, जब सम्राट कॉन्स्टैन्टाइन महान शासन कर रहा था, जैसा कि वह 321 के प्रथम रविवार-विधि के समय भी शासन कर रहा होता, और जब उसने 330 में रोम को पूर्व और पश्चिम में विभाजित किया। 313 को भविष्यद्वाणी की दृष्टि से मिलान में हुए उस कूटनीतिक विवाह द्वारा चिह्नित किया गया, जब सम्राट कॉन्स्टैन्टाइन (पश्चिम का शासक) ने अपनी सौतेली बहन, फ्लाविया जूलिया कॉन्स्टैन्टिया, का विवाह लिसिनियुस से कराया, जो उस सम्राट था जिसके नियंत्रण में रोमी साम्राज्य का पूर्वी (या शीघ्र ही पूर्वी होने वाला) भाग था। उस विवाह का प्रतीकात्मक अन्त तब हुआ जब कॉन्स्टैन्टाइन ने 330 में राज्य को पूर्व और पश्चिम में विभाजित किया।

नीरो की 250-वर्षीय अवधि एक सात-वर्षीय अवधि से आरम्भ होती है, जिसका आरम्भ और अंत दोनों एक ऐसी घेराबंदी से होता है जो संसार के अंत का प्रतिरूप प्रस्तुत करती है। इस अवधि के अंत में उत्पीड़न के दस विशिष्ट वर्ष थे। यह अवधि इफिसस के समय में आरम्भ हुई, फिर इसने स्मुर्ना के इतिहास को आच्छादित किया, जब तक कि समझौते की कोंस्तन्तीन की कलीसिया के रूप में 313 में पिरगमुस की कलीसिया प्रकट न हुई।

313 से 330 तक के वे सत्रह वर्ष राफ्रिया और पैनियम के इतिहास में अपना प्रतिरूप पाते हैं, जहाँ 217 ईसा-पूर्व की लड़ाई और 200 ईसा-पूर्व की लड़ाई सत्रह वर्षों के अंतर से पृथक हैं। राफ्रिया की लड़ाई में टॉलेमी विजयी हुआ, परन्तु पैनियम की लड़ाई से पहले ही वह मर चुका होता। तौभी उसने 221 ईसा-पूर्व से 204 ईसा-पूर्व तक सत्रह वर्ष राज्य किया। दो सौ पचास वर्षों की तीन रेखाएँ, जो तीन सत्रहों से परस्पर बँधी हुई हैं, इस विचार को अनिवार्य कर देती हैं कि 313 का साम्य 2026 के साथ बैठता है।

313 उत्पीड़न से समझौते की ओर एक स्पष्ट संक्रमण था; इस प्रकार 313 उस भविष्यवाणी-संबंधी प्रकृति के परिवर्तन का प्रतीकचिह्न बनता है, जिसका प्रतिरूप स्मुर्ना से पर्गमुस में हुए परिवर्तन द्वारा प्रकट किया गया था। पहला कदम एक कूटनीतिक विवाह द्वारा निरूपित हुआ, जिसका अंत सत्रह वर्ष बाद तलाक में हुआ। दूसरा कदम पहला रविवार का कानून था। प्रेरणा हमें सूचित करती है कि रविवार का कानून एक क्रमिक, कदम-दर-कदम प्रक्रिया से पहले आता है, जिसमें ऐसे रविवार के कानून सम्मिलित होते हैं जो उस रविवार के कानून से पूर्ववर्ती होते हैं, जिसे इस प्रकार परिभाषित किया गया है कि वह तुम्हें रविवार मानने के लिए बाध्य करता है और साथ ही परमेश्वर के सातवें-दिन के सब्त को मानने के कारण तुम्हारा उत्पीड़न भी करता है।

“यदि पाठक उन शक्तियों को समझना चाहे जिन्हें शीघ्र आने वाले संघर्ष में प्रयुक्त किया जाएगा, तो उसे केवल उन साधनों के अभिलेख का अनुसरण करना है जिन्हें रोम ने अतीत युगों में उसी उद्देश्य के लिए अपनाया था। यदि वह जानना चाहे कि पोपवादी और प्रोटेस्टेंट, संयुक्त होकर, उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करेंगे जो उनके मतसिद्धांतों को अस्वीकार करते हैं, तो वह उस भावना को देखे जिसे रोम ने सब्त और उसके समर्थकों के प्रति प्रकट किया था।

“राजकीय फ़रमान, सार्वभौमिक परिषदें, और लौकिक सत्ता द्वारा समर्थित कलीसियाई विधियाँ वे सीढ़ियाँ थीं, जिनके द्वारा उस मूर्तिपूजक पर्व ने मसीही जगत में अपना सम्मानित स्थान प्राप्त किया। रविवार-पालन को लागू करने वाला पहला सार्वजनिक उपाय वह विधि थी, जिसे कॉन्स्टैन्टाइन ने अधिनियमित किया। (A.D. 321.) इस फ़रमान ने नगरवासियों को ‘सूर्य के venerable day’ पर विश्राम करने की अपेक्षा की, परन्तु ग्रामवासियों को अपनी कृषि-संबंधी गतिविधियाँ जारी रखने की अनुमति दी। यद्यपि वास्तविकता में यह एक अन्यजातीय क़ानून था, तथापि मसीही धर्म की उसकी नाममात्र स्वीकृति के पश्चात सम्राट द्वारा इसे लागू किया गया।” The Great Controversy, 573, 574.

ईस्वी 313 का मिलान का फ़रमान वह “राजकीय आज्ञा” था, जिसके पश्चात “सामान्य परिषदें और लौकिक शक्ति द्वारा समर्थित कलीसियाई विधियाँ वे चरण थे।” ये क्रमिक चरण थे, जो 321 में प्रथम रविवार-विधि तक ले गए। उन चरणों में से एक “कलीसियाई विधियाँ” हैं, जैसे रविवार-पालन, जो “लौकिक शक्ति द्वारा समर्थित” हों। 1888 का काल उस रविवार-विधियों की एक शृंखला की पहचान कराता है, जिन्हें सीनेटर ब्लेयर द्वारा सीनेट में प्रस्तुत किया गया था, पर वे कहीं नहीं पहुँचीं; तथापि उसी इतिहास के दौरान अनेक राज्य राज्य-प्रवर्तित रविवार-विधियाँ पारित कर रहे थे। ये दो गवाह 313 को एक ऐसे मार्गचिह्न के रूप में पहचानते हैं, जहाँ “राजकीय आज्ञाएँ,” जैसे कोई कार्यकारी आदेश, पृथ्वी के पशु के इतिहास में एक संक्रमण को चिह्नित करेंगी, जो अजगर के समान बोलने के लिये नियत है।

जब संयुक्त राज्य अमेरिका अजगर के समान बोलता है, तो वह बाइबिलीय भविष्यवाणी के छठे राज्य के रूप में समाप्त होता है, और वह ऐसा उसी प्रकार बोलकर करता है जैसा उसने छठे राज्य के रूप में अपने शासन के आरंभ में बोला था। 1798 में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने Alien and Sedition Acts पारित किए, जो रविवार के विधि

का प्रतिरूप थे। 1798 के Alien and Sedition Acts उन तीन चरणों में तीसरे थे, जो 1776 में Declaration of Independence से आरंभ हुए और जिनके पश्चात 1789 में Constitution आया। वे तीन चरण 313, 321 और 330 के साथ संगत हैं।

1776, 1789 और 1798 सभी ऐसी कार्रवाइयाँ थीं जिन्हें बोलना परिभाषित किया गया है, क्योंकि प्रेरणा हमें सूचित करती है कि “राष्ट्र का बोलना उसकी विधायी और न्यायिक प्राधिकारियों की कार्रवाई है।” 313, 321 और 330 सभी महा कॉन्स्टैन्टाइन से संबंधित मार्गचिह्न हैं। प्राचीन वास्तविक इस्राएल का अंत, उत्तर और दक्षिण—दोनों राज्यों का, एक तलाक के रूप में प्रतीकित किया गया है, और 330 इसी का प्रतिनिधित्व करता है। पूर्व और पश्चिम के बीच एक विवाह-विच्छेद, ऐसे विवाह में जो उससे सत्रह वर्ष पहले, मिलान की आज्ञाप्ति के विवाह से आरंभ हुआ था। रविवार व्यवस्था के समय संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी परिवीक्षाकालीन अवधि का पात्र भर चुका होगा, और अपने भविष्यसूचक उद्देश्य के संदर्भ में वह परमेश्वर से तलाकशुदा कर दिया जाएगा, जैसा कि प्राचीन इस्राएल के लिए दूध और मधु से बहनेवाले देश द्वारा प्रतिरूपित किया गया था। प्रेरणा कहती है कि राष्ट्रीय धर्मत्याग के पश्चात राष्ट्रीय विनाश आता है। यह तब घटित होता है जब परमेश्वर उस महिमामय देश को तलाक दे देता है, जैसा कि वर्ष 330 द्वारा निरूपित है। 313 के विवाह से लेकर 321 में बढ़ती हुई रविवार व्यवस्थाओं की एक शृंखला में पहली व्यवस्था तक, और 330 के तलाक तक। 1776, 313 के साथ संरेखित है, और 1789, 321 के साथ संरेखित है, तथा 1798, 330 के साथ संरेखित है।

330, 31 ईसा-पूर्व में Actium के युद्ध के बाद से 360 वर्षों की भी पूर्ति है। Actium, Rome की तीसरी बाधा थी, और इस प्रकार वह Sunday law का प्रकार-चिह्न है, जहाँ आधुनिक Rome अपनी दूसरी और तीसरी बाधाओं पर विजय प्राप्त करता है। 330 के waymark पर Panium का युद्ध Actium के युद्ध से जुड़ जाता है। 217 ईसा-पूर्व में Raphia का युद्ध 2014 के Ukrainian war के साथ संरेखित होता है; फिर 2015 में Trump ने अपना पहला presidential campaign प्रारम्भ किया, 2020 में earth beast के दोनों सींग मार डाले गए, 2023 में वे दोनों पुनर्जीवित किए गए। 2024 में foundations की परीक्षा आरम्भ हुई और 2025 में आठवें president तथा उसके papal counterpart की भविष्यसूचक संधि उनकी पारस्परिक inaugurations द्वारा चिह्नित की गई।

हम इन बातों को अगले लेख में जारी रखेंगे।